सावन से जुड़े गीत

अपने परिजनों, मित्रों, शिक्षकों, पुस्तकालय या इंटरनेट की सहायता से सावन में गाए जाने वाले गीतों को ढूँढिए और किसी एक गीत को अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए। आप सावन से जुड़ा कोई भी लोकगीत, खेलगीत, कविता आदि लिख सकते हैं। कक्षा के सभी समूहों द्वारा एकत्रित गीतों को जोड़कर एक पुस्तिका बनाइए और कक्षा के पुस्तकालय में उसे सम्मिलित कीजिए।

सावन आयो रे सखि
सावन आयो रे सखि, हरियाली छायो,
काली घटा घिर आई, मन हर्षायो।
रिमझिम-रिमझिम मेह बरसे,
पायल बोले छन-छन-छन।
अमरइया में झूला डोलै,
सखियाँ गाएँ जन-जन।
पी की सुधि ले आई बदरिया,
सावन आयो रे सखि।

रिमझिम बरसे बदरिया
रिमझिम बरसे बदरिया, झर-झर पानी,
भीगे आँगन-डगरिया, हँसी कहानी।
मोर नाचे ताल मिलाय,
कोयल बोले तान।
माटी महके, मन ललचाए,
जागे नए अरमान।
सावन लाया सुख का साज,
रिमझिम बरसे बदरिया।

झुला पड़े अमराई
झूला पड़े अमराई, डोले-डोले,
सखियाँ गाएँ लोक-राग, बोले-बोले।
मेहँदी रचे हथेली में,
चूड़ी बोले खन।
पुरवाई जब छेड़े तान,
मन हो जाए मगन।

बदरा घिर आए रे
बदरा घिर आए रे, सावन महीना,
धरती आढ़े हरियाली, बदले सीना।
बिजली चमके दम-दम-दम,
मेघ गरजे गाान।
नदिया बोले कल-कल-कल-कल,
खेत हँसे किसान।
बरखा लाई जीवन रस,
बदरा घिर आए रे।

हरियाली सावन की हरियली सावन की, मन भायो,
सूना जीवन फिर से सखि, मुस्कायो।
ठुमक-ठुमक पग धरती,
ताल मिले जान।
ढोलक बोले ढिन-ना-ना,
गूँजे घर-आँगन।
लोक-राग में रचा सावन,
हरियाली सावन की।